

करें भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंग के दर्शन

January 1, 2020 praysure 3 Comments mahadev, mahakal

महादेव। शिव को बुराई का नाश करनेवाला देवता माना गया है । इन्हे अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है लेकिन अंततः शिव को परम पिता परमेश्वर माना गया है । शिव के बारह ज्योतिर्लिंग हिंदुओं में अत्यधिक पूजनीय है। ज्योतिर्लिंग एक मंदिर है जहाँ भगवान शिव की पूजा ज्योतिर्लिंग के रूप में की जाती है। अब आप पूछेंगे कि ज्योतिर्लिंगम क्या है? यह सर्वशक्तिमान का उज्ज्वल चिन्ह (phallus प्रतीक) है। एक ज्योतिर्लिंग भगवान शिव का एक पवित्र प्रतिनिधित्व है।

दुनिया भर से

Now Trending

दुनिया भर से

'ज्योति' शब्द का अर्थ है प्रकाश और 'लिंग' का अर्थ है संकेत। ज्योतिर्लिंग भगवान शिव का प्रकाश है। मान्यता है की शिव यहाँ साक्षात विद्यमान रहते हैं |

बहुत से लोग मानते हैं कि आप आध्यात्मिक रूप से उच्च स्तर तक पहुँचने के बाद इन लिंगों को पृथ्वी के माध्यम से अग्नि भेदी के स्तंभों के रूप में देख सकते हैं। मूल रूप से 64 ज्योतिर्लिंग थे, जिनमें से 12 को अत्यधिक शुभ और पवित्र माना जाता है। भारत के 12 ज्योतिर्लिंग स्थल पीठासीन देवता का नाम लेते हैं। प्रत्येक ने भगवान शिव का एक अलग रूप माना जाता है । इन सभी लिंगों के रूप में प्राथमिक छवि "लिंगम" है जो शुरुआत और अंत के स्तंभ स्तंभ या भगवान शिव की अनंत प्रकृति का प्रतिनिधित्व करता है।

भारत में भगवान शिव के बारह **ज्योतिर्लिंग हैं** | जिन्हे द्वादस लिंग भी कहा जाता है |

1. सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, गुजरात



सोमनाथ ज्योतिर्लिंग

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग को शिव के बारह ज्योतिर्लिंग में से पहला माना जाता है, गुजरात में सोमनाथ मंदिर वेरावल (प्रभास क्षेत्र) काठियावाड़ जिले के पास स्थित है । यह देश में एक अत्यंत प्रतिष्ठित तीर्थ स्थल है। गुजरात में इस ज्योतिर्लिंग के अस्तित्व में आने से संबंधित एक पौराणिक कथा है। शिव पुराण के अनुसार, चंद्रमा का विवाह दक्ष प्रजापति की 27 बेटियों से हुआ था, जिसमें से वह रोहिणी को सबसे अधिक प्यार करता था |

अंततः दक्ष ने कुद्ध होकर उन्हें 'क्षयग्रस्त' हो जाने का शाप दे दिया। इस शाप के कारण चंद्रदेव तत्काल क्षयग्रस्त हो गए। उनके क्षयग्रस्त होते ही पृथ्वी पर सुधा-शीतलता वर्षण का उनका सारा कार्य रूक गया। चारों ओर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्रमा भी बहुत दुखी और चिंतित थे।
उनकी प्रार्थना सुनकर इंद्रादि देवता तथा वसिष्ठ आदि ऋषिगण उनके उद्धार के लिए पितामह ब्रह्माजी के पास गए। सारी बातों को सुनकर ब्रह्माजी ने कहा- 'चंद्रमा अपने शाप-विमोचन के लिए अन्य देवों के साथ पवित्र प्रभासक्षेत्र में जाकर मृत्युंजय भगवान् शिव की आराधना करें। उनकी कृपा से अवश्य ही इनका शाप नष्ट हो जाएगा और ये रोगमक्त हो जाएंगे।
उनके कथनानुसार चंद्रदेव ने मृत्युंजय भगवान् की आराधना का सारा कार्य पूरा किया। उन्होंने घोर तपस्या करते हुए दस करोड़ बार मृत्युंजय मंत्र का जप किया। इससे प्रसन्न होकर मृत्युंजय-भगवान शिव ने उन्हें अमरत्व का वर प्रदान किया। उन्होंने कहा- 'चंद्रदेव! तुम शोक न करो। मेरे वर से तुम्हारा शाप-मोचन तो होगा ।

शाप मुक्त होकर चंद्रदेव ने अन्य देवताओं के साथ मिलकर मृत्युंजय भगवान् से प्रार्थना की कि आप माता पार्वतीजी के साथ सदा के लिए प्राणों के उद्धारार्थ यहाँ निवास करें। भगवान् शिव उनकी इस प्रार्थना को स्वीकार करके ज्योतर्लिंग के रूप में माता पार्वतीजी के साथ तभी से यहाँ रहने लगे।

2. मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, आंध्र प्रदेश

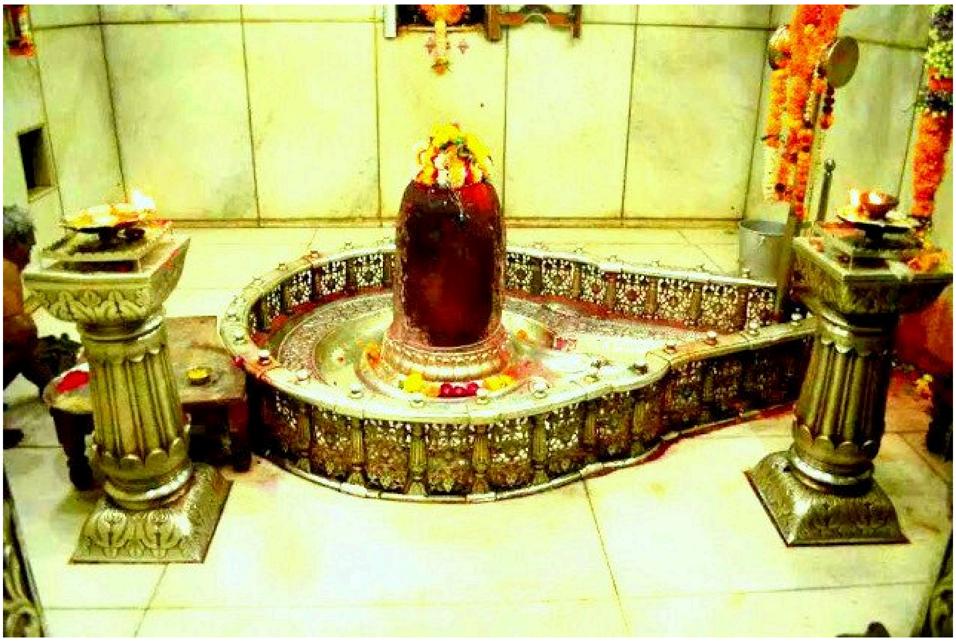


मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

यह आंध्र प्रदेश के श्री शैल पर्वत पर स्थित है | इसे "दक्षिण के कैलाश" के रूप में भी जाना जाता है और यह भारत के सबसे महान शैव तीर्थों में से एक है। इस

मंदिर के प्रमुख देवता मल्लिकार्जुन (शिव) और भ्रामराम्बा (देवी) हैं। शिवपुराण के अनुसार, भगवान गणेश का विवाह कार्तिकेय से पहले हुआ था, जिससे कार्तिकेय नाराज हो गए। वह दूर क्रंच पर्वत पर गया। सभी देवताओं ने उसे सांत्वना देने की कोशिश की लेकिन व्यर्थ। अंतत: शिव-पार्वती ने स्वयं पर्वत की यात्रा की, लेकिन कार्तिकेय ने उन्हें छोड़ दिया। अपने पुत्र को ऐसी अवस्था में देखकर वे बहुत आहत हुए और शिव ने एक ज्योतिर्लिंग का रूप धारण किया और मल्लिकार्जुन के नाम से पर्वत पर निवास किया।*मल्लिका का अर्थ पार्वती है, जबकि अर्जुन शिव का दूसरा नाम है*। लोगों का यह मानना है कि इस पर्वत के सिरे को देखने से व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो जाता है और जीवन और मृत्यु के दुष्चक्र से मनुष्य मुक्त हो जाता है |

3. महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, मध्य प्रदेश



महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग

महाकालेश्वर मंदिर मध्य प्रदेश के उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट पर स्थित है । मध्य प्रदेश का यह ज्योतिर्लिंग मध्य भारत का एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। इस ज्योतिर्लिंग के अस्तित्व में आने से संबंधित कई किंवदंतियाँ हैं। पुराणों के अनुसार, एक पाँच वर्षीय बालक श्रीकर था, जो उज्जैन के राजा चंद्रसेन की भक्ति से मंत्रमुग्ध था । श्रीकर ने एक पत्थर लिया और उसे शिव के रूप में पूजना शुरू कर दिया । कई लोगों ने उन्हें अलग-अलग तरीकों से मनाने की कोशिश की, लेकिन उनकी भक्ति बढ़ती रही। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने एक ज्योतिर्लिंग का रूप धारण किया और महाकाल वन में निवास किया। महाकालेश्वर मंदिर को हिंदुओं द्वारा एक और कारण से महत्वपूर्ण माना जाता है। यह सात “मुक्ति-स्थली” में से एक है – वह स्थान मानव को जीवन मरण के चक्र से मुक्त कर सकता है।

4. ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, मध्य प्रदेश



ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग

ओंकारेश्वर मंदिर अत्यधिक शिव के बारह ज्योतिर्लिंग में से एक है और मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी में शिवपुरी नामक एक द्वीप पर स्थित है । ओंकारेश्वर शब्द का अर्थ है "ओमकारा का भगवान" या ओम ध्वनि का भगवान! हिंदू शास्त्रों के अनुसार, एक बार, देवों और दानवों (देवताओं और दानवों) के बीच एक महान युद्ध हुआ, जिसमें दानवों ने जीत हासिल की। यह देवों के लिए एक बड़ा झटका था, जिन्होंने फिर भगवान शिव से प्रार्थना की। उनकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर, भगवान शिव ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में उभरे और दानवो को हराया। इस प्रकार यह स्थान हिंदुओं द्वारा अत्यधिक पवित्र माना जाता है।

5. वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग, झारखंड



वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग

वैद्यनाथ मंदिर को वैजनाथ या बैद्यनाथ के नाम से भी जाना जाता है। यह झारखंड के संताल परगना क्षेत्र के देवगढ़ में स्थित है। यह अत्यधिक प्रतिष्ठित ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक है, और भक्तों का मानना है कि इस मंदिर की ईमानदारी से पूजा व्यक्ति को उसकी सभी चिंताओं और दुखों से छुटकारा दिलाती है। लोगों का मानना है कि इस ज्योतिर्लिंग की पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। एक प्रसिद्ध किंवदंती के अनुसार, राक्षस राजा रावण ने ध्यान किया और भगवान शिव से श्रीलंका आने और इसे अजेय बनाने के लिए कहा। रावण ने कैलाश पर्वत को अपने साथ ले जाने की कोशिश की, लेकिन भगवान शिव ने उसे कुचल दिया। रावण ने तपस्या के लिए कहा और बदले में, ज्योतिर्लिंगों को इस शर्त पर दिया गया था कि अगर इसे जमीन पर रखा गया तो यह अनंत काल तक उस स्थान पर रहेगा। इसे श्रीलंका ले जाते समय, भगवान वरुण ने रावण के शरीर में प्रवेश किया और उन्होंने खुद को राहत देने की तत्काल आवश्यकता महसूस की। भगवान विष्णु एक बालक के रूप में नीचे आए और इस बीच लिंगम को धारण करने की पेशकश की। तथापि, विष्णु ने लिंग को जमीन पर रख दिया और वह घटनास्थल पर पहुंच गया। तपस्या के रूप में, रावण ने उसके नौ सिर काट दिए। शिव ने उसे पुनर्जीवित किया और एक वैद्य की तरह शरीर से सिर जोड़ दिया और इसलिए इस ज्योतिर्लिंग को वैद्यनाथ के नाम से जाना जाने लगा।

6.भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, महाराष्ट्र



भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग

भीमाशंकर मंदिर पुणे, की सहयाद्रि क्षेत्र में स्थित है । यह भीमा नदी के तट पर स्थित है और इस नदी का एक स्रोत माना जाता है। इस शिव के बारह ज्योतिर्लिंग के अस्तित्व के बारे में पौराणिक कथा कुंभकर्ण के पुत्र भीम से संबंधित है। जब भीम को पता चला कि वह कुंभकर्ण का पुत्र था जिसे भगवान विष्णु ने भगवान राम के रूप में अवतार लेकर वध किया था, तो उसने भगवान विष्णु का बदला लेने की कसम खाई थी। उन्होंने भगवान ब्रह्मा को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की

जिन्होंने उन्हें अपार शक्ति प्रदान की। इस शक्ति को प्राप्त करने पर, उन्होंने दुनिया में कहर ढाना शुरू कर दिया। उसने भगवान शिव के भक्त को पराजित किया और उसे काल कोठरी में डाल दिया। इससे भगवान नाराज हो गए । दोनों के बीच युद्ध हुआ और शिव ने अंततः राक्षस को राख में डाल दिया। तब सभी देवताओं ने शिव से अनुरोध किया कि वे उस स्थान पर निवास करें। तब शिव ने स्वयं को भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट किया।

7. रामेश्वर ज्योतिर्लिंग, तमिलनाडु



रामेश्वर ज्योतिर्लिंग

रामेश्वर मंदिर , 12 ज्योतिर्लिंगों में से सबसे दक्षिणी, तमिलनाडु के सेतु तट से दूर, रामेश्वरम द्वीप पर स्थित है।। यह मंदिर अपनी वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, और अधिक प्रमुख रूप से लंबे अलंकृत गलियारों, टावरों और 36 अखाड़ों के लिए जाना जाता है। यह ज्योतिर्लिंग रामायण और श्रीलंका से राम की विजयी वापसी के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। ऐसा माना जाता है कि राम के श्रीलंका जाने के रास्ते में रामेश्वरम में रुक गए थे और समुद्र के किनारे पानी पी रहे थे जब एक आकाशीय उद्घोषणा हुई: “तुम मेरी पूजा किए बिना पानी पी रहे हो।” यह सुनकर राम ने रेत का एक लिंग बनाया और उसकी पूजा की। और रावण को हराने के लिए उसका आशीर्वाद मांगा। उन्हें भगवान शिव का आशीर्वाद मिला जो उस समय एक ज्योतिर्लिंग में बदल गए और अनंत काल तक निवास करते रहे।

8. नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात



नागेश्वर ज्योतिर्लिंग

नागेश्वर मंदिर गुजरात में सौराष्ट्र के तट पर गोमती द्वारका और बैट द्वारका द्वीप के बीच मार्ग पर स्थित । यह ज्योतिर्लिंग विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह सभी प्रकार के जहर से सुरक्षा का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि जो लोग इस मंदिर में पूजा करते हैं, वे सभी विषों से मुक्त हो जाते हैं। शिवपुराण के अनुसार, सुप्रिया नाम के एक शिव भक्त को दानव दारुका ने पकड़ लिया था। दानव ने उसे अपनी राजधानी दारुकवाना में कई अन्य लोगों के साथ कैद कर लिया। सुप्रिया ने सभी कैदियों को “ओम् नमः शिवाय” का जाप करने की सलाह दी, जिसने दारुका को नाराज कर दिया जो सुप्रिया को मारने के लिए दौड़ा। भगवान शिव दानव के सामने प्रकट हुए और उनका अंत कर दिया। इस प्रकार नागेश्वर ज्योतिर्लिंग अस्तित्व में आया।

9. काशी विश्वनाथ, वाराणसी



काशी विश्वनाथ, वाराणसी

काशी विश्वनाथ मंदिर बनारस (वाराणसी) के पवित्र शहर की भीड़ भरी गलियों के बीच स्थित है। वाराणसी के घाटों और गंगा से अधिक, शिवलिंग श्रद्धालुओं का भक्तिमय केंद्र बना हुआ है। इस मंदिर को भगवान शिव का सबसे प्रिय मंदिर कहा जाता है, और लोगों का मानना है कि जो लोग यहां मरते हैं वे मोक्ष प्राप्त करते हैं। कई लोग मानते हैं कि शिव स्वयं यहां निवास करते हैं जो मुक्ति और आनंद के दाता हैं। इस मंदिर का कई बार पुनर्निर्माण किया गया है लेकिन हमेशा इसका अंतिम महत्व बना रहा।

10. त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, नासिक



त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, नासिक

त्र्यंबकेश्वर मंदिर नासिक में स्थित है । इस मंदिर को गोदावरी नदी का एक स्रोत माना जाता है जिसे "गौतमी गंगा" के नाम से जाना जाता है – जो दक्षिण भारत की सबसे पवित्र नदी है। शिवपुराण के अनुसार, यह गोदावरी नदी, गौतम ऋषि और अन्य सभी देवताओं के अनुरोध पर शिव ने यहां निवास करने का फैसला किया था और त्र्यंबकेश्वर नाम ग्रहण किया।

11. केदारनाथ ज्योतिर्लिंग, उत्तराखंड



केदारनाथ ज्योतिर्लिंग

भारत के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक, केदारनाथ मंदिर केदार नामक पर्वत पर 12000 फीट की ऊंचाई पर रुद्र हिमालय पर्वतमाला पर स्थित है । यह हरीद्वार से लगभग 150 मील की दूरी पर है। यह मंदिर साल में केवल छह महीने खुलता है। परंपरा यह है कि केदारनाथ की यात्रा पर जाते समय लोग पहले यमुनोत्री और गंगोत्री जाते हैं और पवित्र जल को केदारनाथ में चढ़ाते हैं। किंवदंतियों के अनुसार, नार और नारायण की घोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने इस ज्योतिर्लिंग के रूप में केदारनाथ में स्थायी रूप से निवास किया। लोगों का मानना है कि इस स्थल पर प्रार्थना करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

12. घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग, औरंगाबाद



घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग दौलताबाद से 20 किमी दूर औरंगाबाद जिला महाराष्ट्र में स्थित है । इस मंदिर के पास स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है – अजंता और एलोरा की गुफाएँ। इस मंदिर का निर्माण अहिल्याबाई होल्कर ने कराया था, जिन्होंने वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण किया। घृष्णेश्वर मंदिर को अन्य नामों से भी जाना जाता है, जैसे कुसुमेश्वर, घुश्मेश्वर, ग्रुमेश्वर और ग्रिशनेश्वर।

अपने जीवन काल में शिव के बारह ज्योतिर्लिंग के दर्शन करें और "हर हर महादेव" का जाप करते रहें!

शिवेंद्र नाथ झा Team Praysure , Photo Credit- Wikisource

नम्र निवेदन :- प्रभु की कथा से यह भारत वर्ष भरा परा है | अगर आपके पास भी हिन्दू धर्म से संबधित कोई कहानी है तो आप उसे प्रकाशन हेतु हमें भेज सकते हैं | अगर आपका लेख हमारे वैबसाइट के अनुकूल होगा तो हम उसे अवश्य आपके नाम के साथ प्रकाशित करेंगे |

अपनी कहानी यहाँ भेजें | Praysure को Twitter पर फॉलो करें |

Like Post. Share this:

Tweet Print More

← गोत्र प्रणाली क्या है |

You May Also Like



शिव और सौरमंडल

December 29, 2019

0



श्री महाकालेश्वर मंदिर – उज्जैन

November 26, 2019

3 thoughts on "करें भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंग के दर्शन"

Makhan Jha

January 1, 2020 at 5:30 pm

Permalink

बहुत ही बेहतर जानकारी | जय शिव भोलेनाथ

LALIT MISHRA
January 1, 2020 at 5:31 pm
Permalink

Very Nice Article And Images Also. Keep It Up Praysure. Thanks A Lot.

Raja Hindustani
January 1, 2020 at 8:58 pm
Permalink

Jai Baba Shiv Shankar Dani. Bam Bam Bhole

Leave a Reply

Enter your comment here...

Recent Posts

- करें भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंग के दर्शन
- गोत्र प्रणाली क्या है |
- विष्णु सहस्रनाम
- शिव और सौरमंडल
- पांच मुखी रुद्राक्ष- छात्रों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है

What In Praysure

Hinduism, Hinduism Origin, Hinduism in world, Hinduism in world, Hinduism symbol, Hinduism Vedas, Ved mantra, Satnarayan Vrat Katha, Holy Places In India, Festivals Of India

Categories

- आज का दिन (3)
- एकादशी व्रत कथा (4)
- चालीसा संग्रह (13)
- त्योहार (12)
- धर्म दर्शन (8)
- धार्मिक आलेख (19)
- पुराणो से (22)
- प्रमाणित मंत्र (7)
- वैदिक प्रवचन (11)
- व्रत कथा (15)

धार्मिक पुस्तकें

1. शिव पुराण हिन्दी में
2. श्री विष्णु पुराण (Code 48)
3 . स्कन्द पुराण Code 279 हिन्दी
4. देवी भागवत पुराण

Siva:The Siva Purana Retold

Know Us

- Home
- About Us
- Contact Us
- Privacy Policy
- Terms Of Use

Write Here

If You Have A Story Related To Hindu Mythology. Please Write To Us.